

---

# Sanskrit Gaurava Ganam Sanskrit Song

---

## संस्कृतगौरवगानम्

---

### Document Information



---

Text title : saMskRitagauravagAnam

File name : saMskRitagAnam.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Vasudevadvivedi Shastri

Proofread by : NA

Description/comments : See author's bAlakavitAvalI 2

Latest update : January 2, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 2, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



संस्कृतगौरवगानम्

भारतीयैकता-साधकं संस्कृतं  
भारतीयत्व-सम्पादकं संस्कृतम् ।  
ज्ञान-पुञ्ज-प्रभा-दर्शकं संस्कृतं  
सर्वदानन्द-सन्दोह-दं संस्कृतम् ॥ १ ॥

सर्व-मस्तिष्क-संस्कारकं संस्कृतं  
सर्व-वाणी-परिष्कारकं संस्कृतम् ।  
सत्य-प्रेरणा-दायकं संस्कृतं  
सद्गुण-ग्राम-सन्धायकं संस्कृतम् ॥ २ ॥

विश्ववन्धुत्व-विस्तारकं संस्कृतं  
सर्वभूतैकता-कारकं संस्कृतम् ।  
सर्वतः शान्ति-संस्थापकं संस्कृतं  
पञ्चशील-प्रतिष्ठापकं संस्कृतम् ॥ ३ ॥

त्याग-सन्तोष-सेवा-व्रतं संस्कृतं  
विश्वकल्याण-निष्ठायुतं संस्कृतम् ।  
ज्ञान-विज्ञान-सम्मेलनं संस्कृतं  
भुक्ति-मुक्ति-द्वयोद्वेलनं संस्कृतम् ॥ ४ ॥

धर्मकामार्थ-मोक्ष-प्रदं संस्कृतं  
ऐहिकामुष्मिकोत्कर्ष-दं संस्कृतम् ।  
कर्मद ज्ञानदं भक्तिदं संस्कृतं  
सत्यनिष्ठं शिवं सुन्दरं संस्कृतम् ॥ ५ ॥

“सोऽहमस्मीति”-निश्चयकं संस्कृतं  
“त्वं तदेवेति” सङ्गायकं संस्कृतम् ।  
“एकमेवाद्वयं”-बोधकं संस्कृतं  
सर्वदा सत्यसंशोधकं संस्कृतम् ॥ ६ ॥

शब्द-लालित्य-लीलावनं संस्कृतं  
चारु-माधुर्य-धारागृहं संस्कृतम् ।  
विश्व-चेतश्चमत्कारकं संस्कृतं  
पूर्वजानां यशःस्मारकं संस्कृतम् ॥ ७ ॥

नगरे नगरे ग्रामे ग्रामे विलसतु संस्कृत-वाणी  
सदने सदने जन-जन-वदने जयतु चिरं कल्याणी ।  
सत्य-शील-सौन्दर्य-समीरा, ज्ञान-जला, गति-सारा,  
छल-छल कल-कल प्रवहतु दिशिदिशि  
पावन-संस्कृत-धारा ॥ ८ ॥

- वासुदेवद्विवेदी शास्त्री

---

*Sanskrit Gaurava Ganam Sanskrit Song*  
pdf was typeset on January 2, 2021

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

